विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा -2

कक्षा : आठवीं

विषय : हिंदी | अधिकतम अंक : 50

दिनांक: 25-09-2024 | समय : 2 घंटे

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्न पत्र में कुल आठ प्रश्न हैं।
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए।
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है।
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए।

खंड - 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

हमारे देश को दो बातों की सबसे पहले और सबसे ज़्यादा ज़रूरत है । एक शक्तिबोध और दूसरा सौंदर्यबोध। शक्तिबोध का अर्थ है - देश की शक्ति या सामर्थ्य का ज्ञान । दूसरे देशों की तुलना में अपने देश को हीन नहीं मानना चाहिए। इससे देश के शक्ति के शक्तिबोध को आघात पहुँचता है। सौंदर्यबोध का अर्थ है किसी भी रूप में कुरुचि की भावना को पनपने न देना। इधर-उधर कूड़ा फ़ेंकने , बातचीत में गंदे शब्दों का प्रयोग, इधर-उधर की लगाने, समय देकर न मिलना आदि से देश के सौंदर्य बोध को आघात पहुँचता है। देश के शक्तिबोध को जगाने के लिए हमें चाहिए कि हम दूसरे देशों की अपेक्षा सदा अपने देश को श्रेष्ठ समझें । ऐसा न करने से देश के शक्तिबोध को आघात पहुँचता है। यह उदाहरण इस तथ्य की पुष्टि करता है- शल्य महाबली कर्ण का सारथी था। जब भी कर्ण अपने पक्ष की विजय की घोषणा करता हुँकार भरता; शल्य अर्जुन की अजेयता का हल्का-सा उल्लेख कर देता। बार-बार इस उल्लेख ने कर्ण के सघन आत्मविश्वास में संदेह की दीवार डाल दी, जो उसकी पराजय की नींव रखने में सफल हो गई।

(i) शक्तिबोध का क्या अर्थ है ? (1)

(क) अपनी शक्ति दिखाना। (ख) दूसरे की ताकत को आजमाना।

(ग) देश की शक्ति या सामर्थ्य का ज्ञान। (घ) शेखी बघारना।

(ii) दूसरे देशों की अपेक्षा सदा अपने देश को श्रेष्ठ समझना चाहिए क्योंकि ऐसा न करने से- (1)

(क) देश के शक्तिबोध को आघात नहीं पहुँचता है।

(ख) देश के शक्तिबोध को आघात पहुँचता है।

(ग) अत्मविश्वास में संदेह की दीवार पड़ती है|

(घ) भावी पराजय की नींव पड़ती है।

(iii) सारथी शल्य ने कर्ण की पराजय की नींव कैसे डाली ? (1)

(क) युद्धक्षेत्र में रथ रोककर।

(ख) युद्धक्षेत्र में कर्ण को अकेला छोड़कर।

(ग) कर्ण के आत्मविश्वास का बल बढ़ाकर।

(घ) कर्ण के आत्मविश्वास में संदेह की दीवार डालकर।

(iv) प्रस्तुत गद्यांश हमें क्या संदेश देता है? अपने शब्दों में लिखिए । (2)

2. निम्नलिखित पद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

भारत माता का मंदिर यह, समता का संवाद जहाँ।
सबका शिव कल्याण यहाँ पाएँ सभी प्रसाद यहाँ।
जाति-धर्म या संप्रदाय का, नहीं भेद व्यवधान यहाँ।
सबका स्वागत, सबका आदर, सबका सम्मान यहाँ।
राम-रहीम, बुद्ध-ईसा का, सुलभ एक-सा ध्यान यहाँ।
भिन्न-भिन्न भव संस्कृतियों के, गुण-गौरव का ज्ञान यहाँ।
नहीं चाहिए बुद्धि वैर की, भला प्रेम उन्माद यहाँ।
सब तीर्थों का एक तीर्थ यह, हृदय पवित्र बना लें हम।
रेखाएँ प्रस्तुत हैं, अपने मन के चित्र बना लें हम।
सौ-सौ आदर्शों को लेकर, एक चरित्र बना लें हम।
कोटि-कोटि कंठों से मिलकर, उठे एक जयनाद यहाँ।
सबका शिव कल्याण यहाँ है, पाएँ सभी प्रसाद यहाँ।

(i) कवि किस मंदिर की बात कर रहा है ? (1)
(क) भारत देश की (ख) शक्ति मंदिर (ग) राम-सीता मंदिर (घ) शिव मंदिर

(ii) भारत-माता के मंदिर की क्या विशेषता है ? (1)
(क) यहाँ खाने को प्रसाद मिलता है (ख) सब लोग दर्शन पाते हैं
(ग) जाति, धर्म, संप्रदाय का भेद नहीं है (घ) बौद्ध मंदिर में ध्यान लगाते हैं

(iii) पद्यांश में 'कोटि' शब्द का क्या अर्थ है ? (1)
(क) कोट (ख) करोड़ (ग) हज़ार (घ) प्रकार

(iv) उपर्युक्त पद्यांश में एकता को एक सूत्र में बाँधने कि लिए क्या प्रयास किया गया है ? (2)

खंड - 'ख'

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशनुसार दीजिए - (1x12=12)

(i) पवित्र गंगा भारत की जीवनरेखा है।| (विशेषण - विशेष्य लिखिए)

(ii) गोविंद मंद-मंद मुस्कराता है। (कर्म के आधार पर क्रिया का भेद लिखिए)

(iii) यदि फूल खिलते तो भँवरे गुंजार करते । (काल का भेद लिखिए)

(iv) साखियाँ संत कबीर द्वारा रचित हैं । (कारक का भेद लिखिए)

(v) वीरों युद्धभूमि रक्त बहाकर आज़ादी पाई है। (उपयुक्त कारक चिह्नों द्वारा वाक्य पूरा कीजिए)

(vi) गिरि को धारण करनेवाला, अर्थात श्रीकृष्ण (समस्तपद बनाकर समास का भेद लिखिए)

(vii) नवग्रह (समास विग्रहकर समास का भेद लिखिए)

(viii) तुम्हारी इन बातों का <u>कोई आधार नहीं है</u>। (रेखांकित के लिए एक शब्द लिखकर वाक्य पुन: लिखिए)

(ix) इस <u>धरती पर बिलकुल उपज नहीं होती है</u>। (रेखांकित के लिए एक शब्द लिखकर वाक्य पुन: लिखिए)

(x) मेरे माता पिता ने इसी महाविद्यालय से बीए किया है। (सही स्थान पर उचित विरामचिह्न लगाइए)

(xi) भारी संकट में पड़ना (वाक्यांश के लिए उचित मुहावरा लिखिए)

(xii) चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना (मुहावरे को वाक्य में इस तरह प्रयोग करें कि अर्थ स्पष्ट हो जाए)

खंड - 'ग'

4 पद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x4=4)

पक्षी और बादल.
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिडियाँ
पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।

(i) 'बादल व पक्षी' क्यों डाकिए कहलाते हैं?
(क) क्योंकि वे ईश्वर का संदेश लाते हैं। (ख) क्योंकि वे चिठियाँ बाँटते हैं ।
(ग) क्योंकि वे लोगों के सुख-दुख जान लेते हैं। (घ) इनमें से कोई नहीं ।

(ii) कौन इन संदेशों पढ़ने में सक्षम होते हैं ?
(क) प्रकृति अर्थात् पेड़-पौधे, सरोवर, सरिताएँ, समुद्र व पर्वत (ख) सभी जीव-जंतु
(ग) संसार में रहने वाले सभी लोग (घ) संसार के कुछ विशेष लोग

(iii) 'महादेश' शब्द से क्या तात्पर्य है ?
(क) महान देश (ख) विशेष देश
(ग) विशाल देश (घ) दूर-दराज का देश

(iv) भगवान के डाकिए इस संसार को क्या संदेश देना चाहते हैं ?
(क) आपसी प्रेम का (ख) विश्वबंधुत्व का
(ग) जातिभेद न करने का (घ) निरंतर आगे बढ़ने का

5 गद्यांश के नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1x5=5)

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्त्व नहीं दिया है, उसकी दृष्टि में मनुष्य के भीतर जो महान आंतरिक गुण स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विचार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना बहुत बुरा आचरण है। भारतवर्ष ने कभी भी उन्हें उचित नहीं माना, उन्हें सदा संयम के बंधन से बाँधकर रखने का प्रयत्न किया है। परंतु भूख की उपेक्षा नहीं की जा सकती, बीमार के लिए दवा की उपेक्षा नहीं की जा सकती, गुमराह को ठीक रास्ते पर लाने के उपायों की उपेक्षा नहीं की जा सकती।

(i) भारतवर्ष के लोग कैसी वस्तुओं को महत्त्व नहीं देते ?
(क) कीमती (ख) मूल्यवान (ग) बहुमूल्य (घ) भौतिक

(ii) भारतवासियों ने चरम और परम किसे माना है ?
(क) आंतरिक गुणों को (ख) बाह्य गुणों को
(ग) भौतिक गुणों को (घ) आध्यात्मिक गुणों को

(iii) लेखक ने बुरा आचरण किसे कहा है ?
(क) काम-क्रोध को प्रधान शक्ति न मानना।
(ख) लोभ-मोह में पड़ना।
(ग) अपनी बुद्धि को लोभ-काम-क्रोध आदि विकारों के इशारे पर छोड़ देना।
(घ) परिश्रम न करना।

(iv) कौन-सा बंधन अच्छा है ?

(क) मोह-माया का बंधन। (ख) काम क्रोध का बंधन।

(ग) संयम का बंधन। (घ) सांसारिकता का बंधन।

(v) गुमराह को ठीक रास्ते पर लाने के लिए क्या किया जा सकता है ?

(क) उसको दण्ड दिया जा सकता है। (ख) उसको समझाया जा सकता है।

(ग) उसको समाज से बाहर किया जा सकता है। (घ) 'क' और 'ख' दोनों कथन सत्य हैं।

6 निम्नलिखित चार में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (3x3=9)

(i) पिछड़े इलाके की महिलाओं के लिए साइकिल चलाना किसी उपलब्धि से कम क्यों नहीं है ?

(ii) 'अकबरी लोटा' पाठ के आधार पर पं॰ बिलवासी मिश्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(iii) मनुष्य को तिनके का भी अपमान क्यों नहीं करना चाहिए? यहाँ तिनका किसका प्रतीक है, स्पष्ट करें ?

(iv) मनुष्य आपा अपना खोता है, पर व्यवहार दूसरों का बदलता है, इस विरोधाभास को स्पष्ट कीजिए।

खंड - 'घ'

7 वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले दो छात्रों के मध्य परस्पर वार्ता (संवाद) को लगभग 80 से 100 शब्दों में लिखिए । (1x5=5)

अथवा

मीनू डॉक्टर बनना चाहती है और रीना अध्यापिका। दोनों के बीच हुए संवाद को लगभग 80 से 100 शब्दों में लिखिए।

8 नारी शिक्षा के महत्त्व को उजागर करते हो जन-जन को जाग्रत करने हेतु लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। (1x5=5)

अथवा

दूध उत्पादक डेयरी का नामकरण करते हुए लगभग 50 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।